Career Day Speech in Hindi

जहाँ एक तरफ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उन्नति ने मजदूर वर्ग से नौकरियां छीन ली हैं वहीँ दूसरी तरफ इसने अच्छी तरह से शिक्षित लोगों के लिए कई आकर्षक नौकरियों के अवसरों का मौका दिया है। तकनीकी ज्ञान से लैस लोगों के लिए अधिक अवसर हैं।

इससे पहले यह माना जाता था कि जो लोग 10वीं कक्षा के बाद विज्ञान के विषयों को चुनते हैं उनका आकर्षक करियर बनने की संभावना ज्यादा है और जो वाणिज्य विषयों को चुनते हैं उनके अच्छे करियर की संभावना कम है और उन लोगों के लिए अच्छे करियर की ना के बराबर संभावना है जो कला/आर्ट्स क्षेत्र के विषयों को चुनते हैं। ऐसा कुछ दशक पहले तक सही था लेकिन अब नहीं हैं। इन दिनों हर विषयों में विशाल संभावनाएं हैं। आपके द्वारा चुने गये विषयों के आधार पर यहां विभिन्न करियर के अवसरों पर एक नज़र डाली गई हैं:-

यहां उन छात्रों के लिए करियर के अवसरों के बारे में बताया गया है जो विज्ञान विषय का चयन करते हैं:

आप 12वीं कक्षा के बाद इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल कर सकते हैं। इंजीनियरिंग के बारे में जानने के लिए कई क्षेत्रों के विशेषज्ञ पाठ्यक्रम मौजूद हैं उनमें से कुछ हैं: इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, जैव प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग, खनन इंजीनियरिंग, कपड़ा इंजीनियरिंग, कृषि इंजीनियरिंग, उत्पादन इंजीनियरिंग, विद्युत अभियांत्रिकी और मरीन इंजीनियरिंग। इनमें से किसी भी क्षेत्र में योग्य इंजीनियर एक सलाहकार, सहायक अभियंता, मुख्य अभियंता या पर्यवेक्षक के रूप में काम कर सकता है।

इसके अलावा कोई भी बी.एस.सी की डिग्री जैसे भौतिकी में बी.एस.सी, रसायन विज्ञान में बी.एस.सी, गणित में बी.एस.सी, जैव प्रौद्योगिकी में बी.एस.सी, वानिकी में बी.एस.सी, आईटी और कंप्यूटर विज्ञान में बी.एस.सी, विमान और इलेक्ट्रॉनिक्स में में बी.एस.सी आदि। इन पाठ्यक्रमों में से किसी को भी पूरा करने के बाद आप शिक्षण या अनुसंधान और विकास में करियर का निर्माण कर सकते हैं।

यदि आपके मन में तकनीक की ओर झुकाव अधिक है तो बीसीए एक अच्छा विकल्प है। आईटी कंपनियां बीसीए स्नातकों की तलाश में रहती हैं। इसके बाद एमसीए की डिग्री हासिल करना अच्छे रोज़गार के अवसर प्रदान करता है। बैचलर ऑफ़ आर्किटेक्चर, बैचलर ऑफ फार्मेसी और कमर्शियल पायलट ट्रेनिंग आदि ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ आप जा सकते हैं।

जो लोग 10वीं कक्षा के बाद वाणिज्य विषय का चुनाव करते हैं उनके पास आगे भी आगे बढ़ने के कई अवसर हैं। यहां इनमें से कुछ पर नज़र डाली गई हैं:

चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए), कंपनी सेक्रेटीशिप (सीएस), कॉस्ट और वर्क अकाउंटेंट (सीडब्ल्यूए), बैचलर्स ऑफ कॉमर्स (बीकॉम), बैचलर्स ऑफ बिज़नस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए), बैचलर ऑफ बिज़नस मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, होटल प्रबंधन, कानून (एलएलबी) और खुदरा प्रबंधन। इनमें से किसी भी क्षेत्र में करियर बनाना सम्मानजनक और आकर्षक है।

कक्षा 10वीं के बाद आर्ट्स विषय चुनने वाले छात्रों के लिए भी एक व्यापक गुंजाइश है। यहां विभिन्न उपलब्ध विकल्पों पर एक नज़र डाली गई है:

कोई भी 12वीं कक्षा को पूरा करने के बाद अपनी रुचि के क्षेत्र में विशेषज्ञ बैचलर ऑफ आर्ट्स के लिए जा सकता है। अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, सामाजिक कार्य, इतिहास, मनोविज्ञान, ललित कला, पुस्तकालय विज्ञान और पत्रकारिता में कला आदि स्नातक के कुछ विकल्पों में से हैं। विभिन्न क्षेत्रों में व्यावसायिक ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी किया जा सकता है। डिप्लोमा इन ट्रैवल एंड टूरिज्म, डिप्लोमा इन इंटीरियर डिज़ाईनिंग, डिप्लोमा इन फॉरेन लैंग्वेज, डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट, डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट, टीचर ट्रेनिंग (टीटीसी), डिप्लोमा इन एयर होस्टेस एंड फ्लाईट स्टीवर्ड इन पाठ्यक्रमों में से कुछ हैं। कुछ डिग्री कोर्स की अवधि 3 से 5 साल हो सकती है। डिप्लोमा पाठ्यक्रम ज्यादातर 6 महीने से 2 साल के समय में पूरा हो सकते हैं। जो लोग इन पाठ्यक्रमों में से कोई विकल्प चुनते हैं तो उनके लिए भविष्य में बहुत अच्छे अवसर हैं।
भारत और साथ ही विदेश में योग्य और कुशल उम्मीदवारों के लिए अच्छे करियर के अवसर मौजूद हैं। हालांकि प्रतियोगिता कठिन है तो सिर्फ एक अच्छे कोर्स में दाखिला लेना काफी नहीं है। एक मजबूत करियर बनाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी चाहिए और परीक्षाओं को भी अच्छे ग्रेड के साथ पास करना ज़रूरी है।